Hindi Murli Quiz 06-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **इनमें से सन्यासी आदि क्या समझते हैं ?**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. हम आत्मा हैं |
B. हम आत्मा शान्तिधाम में रहने वाली हैं ।
C. शान्ति को बाहर नहीं ढूंढना है ।

Explanation: इस पर सन्यासी भी कहते हैं, शान्ति का तो तुम्हारे गले में हार पड़ा है । शान्ति को बाहर कहाँ ढूँढते हो । आत्मा स्वत: शान्त स्वरूप है । इस शरीर में पार्ट बजाने आना पड़ता है । आत्मा सदा शान्त रहे तो कर्म कैसे करेगी? कर्म तो करना ही है । हाँ, शान्तिधाम में आत्माएं शान्त रहती हैं । वहाँ शरीर है नहीं, यह कोई भी सन्यासी आदि नहीं समझते कि हम आत्मा हैं, शान्तिधाम में रहने वाली हैं ।

Q.2) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	बच्चे खुद भी समझ सकते हैं	हम जन्म कैसे लेंगे
B	तुम भी समझ सकते हो	मम्मा-बाबा 84 जन्म लेते हैं
C	समझते हैं हम तो नापास हो जायेंगे	पिछाड़ी में आ जायेंगे
D	वह अर्थ थोड़ेही समझते	जैसे बाम्बे में बबुलनाथ कहते हैं
E	मनुष्य हिंसा समझ लेते	मारामारी को
F	यह बड़ी समझने की बातें हैं	ज्ञान अर्थात् दिन है सतयुग, अज्ञान अर्थात् रात है कलियुग
G	अपने को आत्मा समझ	बाप को याद करने से ही विकार छूटेंगे

Q.3) **किसलिए काम को महाशत्रु कहा है ?**

A. अपवित्रता
B. देह - अभिमान
C. हिंसा
D. विकारी

Explanation: बाप कहते हैं पहली मुख्य हिंसा तो काम कटारी की है इसलिए काम महाशत्रु कहा है, इन पर ही विजय पानी है ।

Q.4) **आजकल फीमेल्स का मान भी है ...**
(आज की मुरली एक ही उत्तर चुनें)

A. क्योंकि बाप आये हैं ना ।
B. क्योंकि आज कल फोरेन वालों को कापी करते हैं |
C. क्योंकि उनमें विकारों की चेष्टा कम है |
D. क्योंकि यह है ही कलियुग |

Q.5) **अगर मनुष्य अपने को भगवान कहलाते भी हैं तो ...**
(आज की मुरली के अनुसार ही एक उत्तर चुनें)

A. ऐसे कभी नहीं कहेंगे कि हम सृष्टि के आदि मध्य अंत को जानते हैं |
B. ऐसे कभी नहीं कहेंगे कि हमें याद करो तो तुम्हारे विकर्म - विनाश हो जायेंगे |
C. ऐसे कभी नहीं कहेंगे कि तुम सब हमारे बच्चे हो ।

Q.6) **जो विष्णु की शेश शैया दिखाते हैं यह आप विजयी बच्चों के सहजयोगी जीवन का यादगार है । सहजयोग द्वारा विकारों रूपी सांप भी अधीन हो जाते हैं । जो बच्चे विकारों रूपी सांपों पर विजय प्राप्त कर उन्हें आराम की शैया बना देते हैं वह सदा विष्णु के समान हर्षित व निश्चिंत रहते हैं । तो सदा यह चित्र अपने सामने देखो कि विकारों को अधीन किया हुआ अधिकारी हूँ । आत्मा सदा आराम की स्थिति में निश्चिंत है ।**

A. False
B. True

Q.7) **कृष्ण को याद करने से तो एक भी पाप नहीं कटेगा क्योंकि ..**
(हर एक उत्तर कुछ न कुछ ठीक हो सकता है परन्तु आज की मुरली अनुसार एक ही उत्तर चुनें)

A. वह सबका बाप नहीं है |
B. वह सतयुग का फर्स्ट प्रिंस है |
C. वह भगवान नहीं है |
D. वह तो शरीरधारी है ।

Q.8) **बाप को याद करने से ही विकर्म विनाश होंगे । खास याद करना होता है अपने को बच्चा समझकर ।**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Explanation: बाप को याद करने से ही विकर्म विनाश होंगे । खास याद करना होता है, ऐसे नहीं कि मैं तो शिवबाबा का बच्चा हूँ ना फिर याद क्या करें । नहीं, याद करना है अपने को स्टूडेंट समझकर ।

Q.9) **तुम बच्चे अडोल बन याद करते रहो ...**

A. तो तुम यह सारा पहाड़ उठाए सोने का पहाड़ स्थापन कर दो |
B. तो तुम्हारा ज्ञान तीर सबको लग जाए |
C. तो जल्दी कर्मातीत अवस्था हो जाए और आत्मा वापिस चली जाए ।
D. तो तुम जल्द ही स्थापना कर दो और विनाश हो जाए |

Q.10) **तो अपने को आत्मा समझ बाप को याद करने से ही विकार छूटेंगे । देह- अभिमान आने से विकार की चेष्टा होती है । ज्ञानी कभी विकार में नहीं जायेंगे ।**

A. True / ये वाक्य सही है
B. False / ये वाक्य गलत है

Explanation: तो अपने को आत्मा समझ बाप को याद करने से ही विकार छूटेंगे । देह- अभिमान आने से विकार की चेष्टा होती है । योगी कभी विकार में नहीं जायेंगे ।